रविवि के रसायन अध्ययन शाला के राष्ट्रीय संगोष्ठी उद्घाटित

पं. रविषंकर शुक्ल विवि रसायन अध्ययनषाला द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ''रसायन विज्ञान एवं पर्यावरण रसायन के आधुनिक स्वरूप'' का उद्घाटन 09 दिसंबर को रायपुर **AIIMS** के निदेषक डॉ. नितीन नागरकर द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण मे डॉ. नागरकर ने वर्तमान समय में इस प्रकार के महत्वपूर्ण विषय पर होने वाले संगोष्ठी की उपयोगिता पर जोर दिया। उन्होंनें विज्ञान के विभिन्न विषयों के ऊपर एकीकृत एवं उपयोगी शोध कार्य करने के लिए कहा, ताकि मानव जीवन को सरल बनाया जाय। संगोष्ठी के प्रारंभ में रसायन अध्ययनषाला के अध्यक्ष प्रो. कल्लोल घोष ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस संगोष्ठी के विषय के बारे में बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव तथा रसायन शास्त्र के स्वर्ण जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पंडित रविषंकर शुक्ल विवि के कुलपति प्रो. केषरी लाल वर्मा ने ऑनलाईन संबोधित किया, उन्होंने युवा वैज्ञानिकों को वैज्ञानिक क्षेत्र के विभिन्न चुनौतियां जैसे मौसम परिवर्तन जलवायु, पर्यावरण सुरक्षा औषधि क्षेत्र तथा जल पर शोध कार्य करने पर जोर दिया विषिष्ठ अतिथि **KIIT** भुवनेष्वर के प्रो. ताराषंकर पाल ने इस प्रकार संगोष्ठी के लिए विभाग को बधाई दिया। रसायन शास्त्र विभाग के प्रो. शम्ष परवेज ने रसायन शास्त्र विभाग के 50 वर्षों का इतिहास तथा पर्यावरण रसायन के क्षेत्र में विभाग द्वारा किया गया महत्वपूर्ण शोध कार्य पर प्रकाष डाला। विषिष्ठ अतिथि रविवि के कुलसचिव डॉ. शैलेन्द्र पटेल ने पर्यावरण के क्षेत्र में **WASTE DISPOSAL** पर शोध कार्य करने को कहा। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. कमलेष श्रीवास ने संगोष्ठी के **Report** पढ़ा। इस अवसर पर एक स्मारिका तथा **Abstract Book** का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का संचालन कु. शुभ्रा सिन्हा ने किया उद्घाटन सत्र का धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ. मनमोहन सतनामी ने किया।

उद्घाटन सत्र के पष्चात् प्रथम तकनीकी सत्र में **KIIT** भुवनेष्वर के प्रो. ताराषंकर पाल, **IICT, Hydrabad** के प्रो. सूर्यप्रकाष सिंह, दिल्ली **IIT** के विष्वरूप चक्रवर्ती, नागपुर विष्वविद्यालय के डॉ. नंदकिषोर कराडे ने व्याख्यान दिया। द्वितीय तकनीकी सत्र में शासकीय महिला महाविद्यालय की डॉ. यास्मीन कुरैषी, पं. रविवि के भौतिकी अध्ययनषाला के डॉ. युगल किषोर महिपाल, गुरू घासीदास विष्वविद्यालय के डॉ. आरती श्रीवास्तव तथा संबलपुर विवि के प्रो. हिरक चक्रवर्ती ने दिया। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन दिनांक 10 दिसंबर को होगा।

तृतीय तकनीकी सत्र में शोध छात्र तथा एम.एस.सी. छात्रों द्वारा 50 पोस्टर का प्रदर्षन किया गया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आजादी का अमृत महोत्सव तथा रसायन अध्ययनषाला के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज समापन हुआ। पं. रविषंकर शुक्ल विवि तथा केमिकल रिसर्च सोसाईटी, छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में दो दिनों में 16 विषेष आमंत्रित व्याख्यान, 12 मौखिक शोध पत्र प्रस्तुतिकरण तथा 35 पोस्टर का प्रस्तुतिकरण हुआ। इस संगोष्ठी में विषेष रूप से भारतीय प्रौद्यौगिकी संस्थान, **IIT** खड़गपुर, दिल्ली, भिलाई से, **IICT Hydrabad,** इंदिरा गांधी **Tribal** विवि, अमरकंटक, गुरूघासीदास विवि, बिलासपुर, संबलपुर विवि, **KIIT** भुवनेष्वर, **MATS UNIVERSITY** रायपुर, **RUNGTA COLLEGE,** रायपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थानों तथा पं. रविषंकर शुक्ल विवि के अनेक शोध छात्र तथा एम.एस.सी. के छात्रों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में शोध छात्रों के शोध पत्र का प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मौखिक शोध प्रतियोगिता में

प्रथम पुरस्कार– पिंकी मिरी, शासकीय नागार्जुन पी. जी. विज्ञान महा., रायपुर
द्वितीय पुरस्कार– स्वरात्मिका पंडा, संबलपुर वि.वि., उड़िसा
तृतीय पुरस्कार– किषोर कुमार चौहान, आई.आई.टी., भिलाई

इस प्रकार पोस्टर प्रतियोगिता में

प्रथम पुरस्कार– वैभव दिक्षित, रसायन अध्ययनषाला, पं.र.शु.विवि, रायपुर
द्वितीय पुरस्कार– नितीष कुमार, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय ट्राईबल वि.वि., अमरकंटक
तृतीय पुरस्कार– 1. एंजल मिंज, रसायन अध्ययनषाला, पं.र.शु.विवि, रायपुर
2. अष्लेषा पी. कावले, गुरूघासीदास विवि., बिलासपुर

समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. ताराषंकर पाल थे। संगोष्ठी के समापन समारोह में प्रो. कल्लोल घोष, प्रो. कमलेष श्रीवास, प्रो. गौतम पात्रा, डॉ. मनमोहन सतनामी, प्रो. अंजनी पाल, डॉ. संतोष ठाकुर तथा डॉ. इन्द्रपाल करभाल उपस्थित थे।

JUBILEE YEAR 2022

National Conference on Advances in Chemical
& Environmental Sciences
GOLDEN JUBILEE YEAR (1972 – 2022)
School of Studies in Chemistry
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

अमृत महोत्सव
Environmental Sciences
09-10 December, 2022
Organized by

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
Environmental Sciences
09-10 December, 2022
Organized by

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
National Conference on Advances in Chemical &
Environmental Sciences
09-10 December, 2022
JUBILEE YEAR (1972 - 2022)
Organized by

National Conference on Advances in Chemical &
Environmental Sciences
GOLDEN JUBILEE YEAR (1972 - 2022)

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
National Conference on Advances in Chemical &
Environmental Sciences
JUBILEE YEAR (1972 - 2022)
Organized by

National Conference on Advances in Chemical
& Environmental Sciences

National Conference on Advances in Chemical & Environmental Sciences

National Conference on Advances in Chemical & Environmental Sciences
GOLDEN JUBILEE YEAR (1972 - 2022)

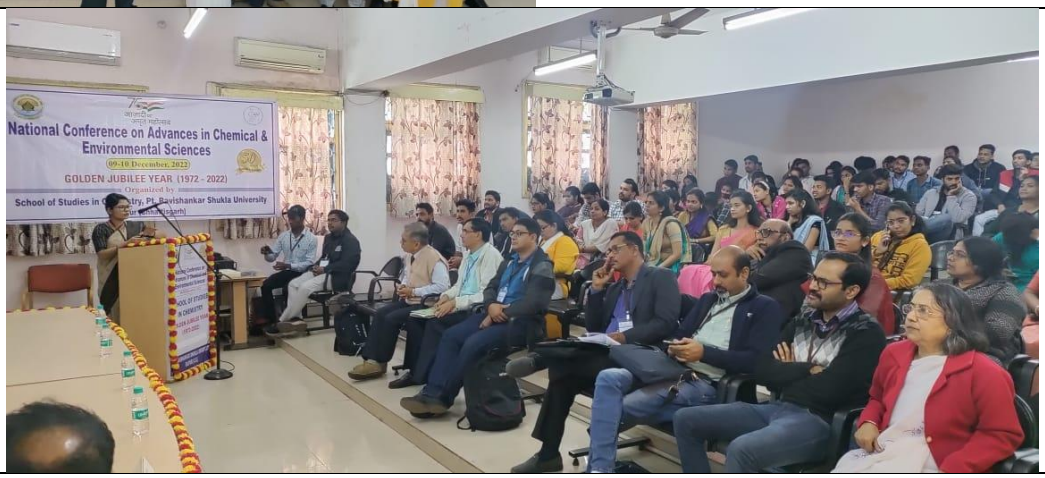
National Conference on Advances in Chemical & Environmental Sciences
09-10 December, 2022
GOLDEN JUBILEE YEAR (1972 - 2022)
Organized by